शुक्रवार
15 सितम्बर 2023

पृष्ठ 4

पेट में राइट साइड दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं

पृष्ठ 5

कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना- कुशा कपिला

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 218
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस प्रकार थोड़ी सी वायु से आग भड़क उठती है, उसी प्रकार थोड़ी सी मेहनत से किस्मत चमक उठती है।

– अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राज्य में ढाई वर्ष से कम समय में 3854 महिलायें व 1134 बालिकायें गायब

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में महिला सुरक्षा तथा महिला अधिकार संरक्षण के कितने भी दावे कर लिये जायें लेकिन हकीकत इससे दूर नजर आती है। राज्य में जनवरी 2021 से मई 2023 तक मात्र 29 माह में 3854 महिलायें तथा 1134 बालिकायें गुमशुदा दर्ज की गयी है। हालांकि इस अवधि में 2961 गुमशुदा महिलायें तथा 1042 बालिकायें बरामद भी हुई है।

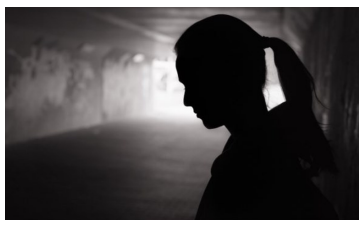

❑2961 गुमशुदा महिलायें तथा 1042 बालिकायें बरामद भी हुई

यह चौकानें वाला खुलासा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन को पुलिस मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है। सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय के लोक सूचना अधिकारी से उत्तराखंड में गुमशुदा व्यक्तियों, महिलाओं, बालक तथा बालिकाओं के आंकड़ों की सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में पुलिस मुख्यालय की लोक सूचना अधिकारी/अपर पुलिस अधीक्षक (कार्मिक) शाहजहां जावेद खान ने पत्रांक 135 के साथ पुलिस उपमहानिरीक्षक राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो सेंथिल अबूदई कृष्ण राज. एस. द्वारा उपलब्ध कराये गये विवरणों की सत्यापित फोटो प्रतियां उपलब्ध करायी गयी हैं।

उपलब्ध सूचना के अनुसार उत्तराखंड के 13 जिलों तथा रेलवे (जी.आर.पी. अन्तर्गत) में जनवरी 2021 से मई 2023 तक कुल 3854 महिलायें गुमशुदा दर्ज की गई है। इनमें 2021 में 1494, वर्ष 2022 में 1632 तथा वर्ष 2023 में मई तक 728 महिलायें शामिल है। इसी अवधि में कुल 1132 बालिकायें गुमशुदा दर्ज हुई है जिसमें 2021 में 404 वर्ष 2022 में 425 तथा 2023 में मई तक 305 बालिकायें शामिल है। हालांकि उपलब्ध गुमशुदा महिलाओं की बरामदगी के आंकड़ों के अनुसार जनवरी 2021 से मई 2023 तक कुल 2961 महिलायें बरामद हुई है। इसमें 2021 में 1271, वर्ष 2022 में 1281 तथा 2023 में मई तक 409 महिलायें शामिल है जबकि इसी अवधि में कुल 1042 गुमशुदा बालिकायें भी बरामद हुई है जिसमें 2021 में 393, वर्ष 2022 में 403 तथा 2023 में मई तक 246 बालिकाएं शामिल है।

गुमशुदा महिलाओं के जिलावार विवरण के अनुसार नैनीताल जिले में 2021 में 168 वर्ष 2022 में 165 तथा 2023 में मई तक 53 महिलायें गायब हुई हैं। उधमसिंह नगर जिले में क्रमशः 343, 415, तथा 183, पिथौरागढ़ जिले में 14, 18 तथा 7, अल्मोड़ा जिले में 25, 44 तथा 23, टिहरी जिले में 59, 49 तथा 35, बागेश्वर जिले में 34, 26 तथा 12, पौड़ी जिले में 43, 58 तथा 19,

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

ब्लाइंड मर्डर व लूट के चार आरोपी गिरफ्तार, दो फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कनखल स्थित बैरागी कैंप में रिटायर्ड सिंचाई कर्मचारी की गला रेतकर की गयी हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने चार हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पाठल, चेकबुक, खून सने कपड़े व 7 हजार की नगदी भी बरामद की गयी है। हालांकि आरोपियों के दो साथी फरार है जिनकी तलाश जारी है। इस मामले में पूर्व में हत्या का शक केयर टेकर पर था लेकिन जांच के दौरान हत्यारोपी किरायेदार व उसके साथी निकले।

जानकारी के अनुसार बीती 11 सितम्बर को देर रात कनखल के बैरागी कैंप में रिटायर्ड सिंचाई कर्मचारी की गला रेतकर हत्या की गयी थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मृतक का खून सना शव बाथरूम से बरामद कर पड़ताल शुरू कर दी गयी। मृतक अशोक चढ्डा द्वारा सेवानिवृत्त होने के बाद बैरागी कैंप क्षेत्र में सेवाश्रम बनाया गया था जहां यात्रियों और कामगारों को किराये पर कमरे दिए जाते थे।

❑लूट के इरादे से आरोपियों ने की थी बुर्जुग की गला काटकर हत्या

शुरुआती जांच में सेवाश्रम में बतौर केयर टेकर नियुक्त नरेन्द्र शक के घेरे में था किन्तु पुलिस द्वारा की गई पड़ताल में हत्यारे सेवाश्रम के किराएदार और उनके साथी निकले जिन्हे मृतक द्वारा कुछ दिन पहले ही पहचान पत्र और किराया न देने पर आश्रम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। पुलिस के अनुसार सेवाश्रम से बाहर निकाले गए किराएदार भानू और संदीप को मृतक के कमरे में मोटी रकम होने का अंदाजा था। जिसके चलते उन्होने वहां लूट का प्लान बनाया। सेवाश्रम से बाहर निकाले गए किराएदारों ने नशे के दौरान अपने अन्य साथियों के साथ

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

बिहार के शिक्षा मंत्री ने रामचरितमानस की तुलना पोटेशियम साइनाइड से की

पटना। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर यादव ने रामचरितमानस पर एक बार फिर से विवादित बयान देते हुए उसकी तुलना जानलेवा पोटेशियम साइनाइड से कर दी। हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान चंद्रशेखर ने कहा कि पचपन तरह का व्यंजन परोस कर उसमें पोटेशियम साइनाइड मिला दीजिए तो क्या होगा, हिंदू धर्म ग्रंथ का हाल भी ऐसा ही है। उन्होंने आगे कहा कई लेखकों ने भी इसको कहा है, बाबा नागार्जुन और लोहिया ने भी टिप्पणी की है। रामचरितमानस को लेकर मेरी आपत्ति है और जीवन भर रहेगी। संघ प्रमुख मोहन भागवत भी इस पर टिप्पणी कर चुके हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा, जब तक गटर में उतरने वालों की जातियां नहीं बदली जाएंगी तब तक इस देश में आरक्षण और जातीय गणना की जरूरत पड़ती रहेगी। वहीं शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के बयान पर बीजेपी ने नीतीश सरकार पर पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, रामचरितमानस पर चंद्रशेखर लगातार जहरीला बयान दे रहें हैं क्या नीतीश कुमार को ये सुनाई नहीं पड़ रहा? नीतीश कुमार लगातार सनातन का अपमान करवा रहे हैं, मंत्री को अगर इतनी ही समस्या है तो धर्म परिवर्तन कर लें।

पिता-बेटी और दामाद की गोली मार कर हत्या

कौशांबी। यूपी के कौशांबी में ट्रिपल मर्डर की वारदात से सनसनी मच गई है। एक ही परिवार में बेटी, दामाद और पिता की गोली मारकर निर्मम तरीक से हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि ये हत्याएं जमीन विवाद को लेकर की गई हैं। इस घटना से नाराज लोगों ने कई घरों को आग के हवाले कर दिया। ये घटना कौशांबी जिले के संदीपनघाट थाना क्षेत्र मोइनुद्दीनपुर गौस गांव की है। घटना के बाद से कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। जमीन विवाद को लेकर तीन लोगों की हत्या होने के बाद एसपी कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को

गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपियों समेत कई घरों और दुकानों को आग के हवाले किया

समझना-बुझाना शुरू किया, लेकिन ग्रामीण शव को उठाने नहीं दे रहे हैं। कई घरों को भीड़ आग के हवाले कर चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक गांव के रहने वाले होरीलाल का सुभाष से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। शुक्रवार की सुबह होरीलाल बेटी और दामाद शिवसरन की हत्या कर दी गई। सुबह जब तीन लोगों की हत्या की जानकारी गांव के लोगों को मिली तो गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपियों समेत कई घरों और दुकानों को आग के हवाले कर दिया। कौशांबी के एसपी बृजेश श्रीवास्तव कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

मौके पर पुलिस फोर्स शांति-व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश में जुटी हुई है। ग्रामीणों की मांग है कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा तब तक वो शव को यहां नहीं ले जाने देंगे।

दून वैली मेल

संपादकीय

नौ दिन चले अढ़ाई कोस

उत्तराखंड राज्य को विकसित और आदर्श तथा सर्वोत्तम राज्य बनाने के नेताओं के दावे भले ही भाषणों में कितने भी मनमोहक लगते हो लेकिन अपने शैशव काल को पार कर जवानी की दहलीज पर खड़े इस राज्य ने वास्तव में कितनी तरक्की की है इसका अनुमान राज्य की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की स्थिति से लगाया जा सकता है। राज्य के पलायन के बारे में जब भी बात होती है तब यही कहा जाता है कि जब तक पहाड़ की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त नहीं किया जाएगा तब तक पलायन को रोका नहीं जा सकता है। अभी केंद्रीय शिक्षा मंत्री उत्तराखंड के दौरे पर आए थे तथा 141 पीएम श्री स्कूलों की सौगात राज्य को देकर गए थे। लेकिन किसी ने इस दौरान राज्य की बेसिक शिक्षा और विद्यालयी शिक्षा की वास्तविक स्थिति और स्कूलों की दिशा और दशा क्या है इस पर कोई सवाल नहीं उठाया, राज्य के स्कूलों में राज्य गठन के बाद ताले क्यों पड़ रहे हैं तथा राज्य में फर्जी दस्तावेजों से शिक्षक बनने वालों का क्या हुआ? इस पर किसी को गौर करने की आज जरूरत नहीं समझी जा रही है। 2021 में बच्चों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मुहैया करने के लिए अटल उत्कृष्ट स्कूलों को शुरू किया गया था। लेकिन आज इन स्कूलों को बंद करने की नौबत आ गई है। माना जा रहा था कि इन स्कूलों में राज्य के आम लोगों के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सकेगी लेकिन इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे सीबीएसई बोर्ड के अनुकूल प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं वहीं शिक्षक भी इनका विरोध करता आ रहा है इसलिए अब सरकार इन 189 अटल उत्कृष्ट विद्यालयों को समाप्त कर इन्हें उत्तराखंड बोर्ड में शामिल करने की तैयारी कर रही है। जब राज्य में अटल उत्कृष्ट विद्यालयों का यह हश्र होने वाला है तो फिर इन 141 पीएम श्री स्कूलों से शिक्षा का क्या भला हो सकेगा यह सहज समझा जा सकता है। लेकिन राज्य के नेता और लोग पीछे वाली समस्याओं को पीछे छोड़ कर आगे की ओर भागते रहने में अपना वह राज्य का हित देखते रहे हैं। जिसके कारण स्थिति 23 साल बाद 9 दिन चले अढ़ाई कोस वाली ही बनी हुई है और शिक्षा के क्षेत्र में तमाम कोशिशों के बाद भी नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा है। ठीक वैसे ही स्थित राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की भी है। भले ही राज्य में कई मेडिकल कॉलेज और एम्स की स्थापना हो गई हो लेकिन राज्य के जिला अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो में आज तक न तो विशेषज्ञ डॉक्टर हैं और न ही प्रयाप्त स्वास्थ्य सुविधा और दवाए, आज भी मामूली से मामूली बीमारी के इलाज के लिए पहाड़ के लोगों को दून और ऋषिकेश आना पड़ता है या फिर चंडीगढ़ और दिल्ली की दौड़ लगानी पड़ती है। अभी बीते कल एक कार्यक्रम में दिल्ली में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चार धाम यात्रा पर 40 लाख लोगों के आने की जानकारी जितने गर्व के साथ कह रहे थे कि उत्तराखंड में चार धाम है और मुझ जैसा मुख्य सेवक है तो लोग सोच रहे थे कि अगर 40 लाख यात्री चार धाम पहुंचे तो इसमें सरकार का क्या कमाल है सच भी यही है कि आज की स्थिति में कोई भी पर्यटक इन चारों धामों की सड़कों की स्थिति को देख ले तो वह अपने आपको कोसता ही नजर आएगा। यह हाल तब है जब डबल इंजन की सरकार ने चारधाम ऑल वेदर रोड का निर्माण कर दिया है। राज्य गठन के बाद भले ही राज्य में कुछ भी बदला हो लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हालात में कोई खास बदलाव नहीं है यही कारण है कि राज्य से पलायन भी जारी है।

स्कूलों में सामान सप्लाई के टेंडर दिलाने के नाम पर ठगे 43 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। स्कूलों में सामान सप्लाई के टेंडर दिलाने के नाम पर 43 लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बेरीनाग पिथौरागढ निवासी भीम कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह ठेकेदारी के कार्य में लगा हुआ है।। इसी मध्य उसकी मुलाकात प्रताप सिंह नेगी पुत्र धनसिंह नेगी जिसके साथ जगमोहन सिंह निवासी पोंटा साहिब हिमाचल जो आजकल दिल्ली में रहता है इनके साथ मोहन सिंह नेगी पुत्र माधों सिंह नेगी निवासी लामबगड़ रामगढ़ी जिला चमोली भी था। इन तीनों ने स्वय को भी एक ठेकेदार बताते हुये आईटीसी के प्रोजेक्ट के तहत गढ़वाल एवं कुमायू मण्डल के लगभग 500 स्कूलों में डीजी जनरेटर सैट, बिजली का सामन, फिक्सर एवं फर्नीचर की आपूर्ति एवं अन्य विकास कार्यों के बारे में चर्चा की और इसने उसको बताया कि एसएपी सलूशन के माध्यम से वह भी उसके साथ भागीदारी में ठेकेदारी का कार्य कर सकता है और इस कार्य में मोटा मुनाफा कमाया जा सकता है जो उसके जीवन को बदलने का टर्निंग पाइंट साबित होगा। इसी क्रम में प्रताप सिंह नेगी ने उसकी मुलाकात एसएपी सलूशन के मालिक सुदीप गिरी निवासी कोलकाता से कराई। सुदीप गिरी ने उसको बताया कि प्रताप सिंह नेगी, मोहन सिंह नेगी व जगमोहन सिंह उनकी कंपनी का भागीदार और डाइरेक्टर है और कंपनी के लिये एग्रीमेंट आदि साईन करने के लिये प्रताप सिंह नेगी अधिकृत है।

इन लोगों ने बताया कि उसको ठेका लेने व उनके साथ कार्य करने के लिये पहले बयाने के तौर पर पैसे जहां हम कहें उन बैंक खातों में जमा कराने होंगे। इसके बाद मेरे द्वारा इन लोगों के कहने पर बयाने के तौर पर उसके द्वारा इनके खातों में विभिन्न माध्यमों से लगभग 18 लाख रूपये इनके खातों में जमा कराये। इतनी रकम जमा करने के बाद जब उसके द्वारा इन लोगों से सम्पर्क किया तो बताया कि इस बारे में उत्तराखण्ड सरकार से बात चल रही है और फाइलें चल रहीं हैं लेकिन उसको काम नहीं मिला तो इसके बाद बिजनेस डील के बारे में देहरादून के गांधी रोड पर स्थित होटल सौरभ में प्रताप सिह नेगी ने एक मीटिंग आयोजित की जिसमें प्रताप सिंह नेगी के अलावा, मोहन सिंह नेगी, जगमोहन सुदीप गिरी एवं किशन कुमार चौहान भी मौजूद रहे और इस मीटिंग में इन सभी ने उसको बीएसएनएल द्वारा जारी प्रमाण पत्र, एमजीआरएम नेट लि. का अनुबंध पत्र व अन्य सम्बन्धित कागजात दिखाये और उसको यह विश्वास दिलाया कि वह सभी मिलकर ठेकेदारी आदि का कार्य करते हैं और उनका वार्षिक टर्न ओवर लगभग बत्तीस सौ करोड़ रूपये का है। इन सबकी बातों में आकर उसने इनको 25 लाख रूपये और दे दिये लेकिन उसके बाद भी उसको काम नहीं मिला जिसके बाद उसको पता चल गया कि उसके साथ इन लोगों ने धोखाधडी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बीएस नेगी महिला पालिटेक्निक में मनाया गया हिन्दी दिवस

हमारे संवाददाता

देहरादून। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में बी.एस.नेगी महिला पालिटेक्निक में 8 सितम्बर से 14 सितम्बर तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। इस मौके पर संस्थान में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें स्वरचित निबंध, कविताएं तथा स्लोगन लेखन आदि विषय भी शामिल रहे।

इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न विभागों से छात्राओं ने खूब बढ़ चढ़ कर भागीदारी की। विभिन्न प्रतियोगिताओं की पुरस्कृत छात्राओं ने मंच पर अपना अपना निबंध प्रस्तुत करने के साथ ही कविता पाठ किया। निबंध लेखन में प्रथम पुरस्कार निशा राज (आई.डी. प्रथम वर्ष), द्वितीय पुरस्कार आरूषी (एम.ओ.एम. प्रथम वर्ष) व तृतीय पुरस्कार देवांशा (एम.ओ.एम. प्रथम वर्ष) का दिया गया।

कविता लेखन मे प्रथम पुरस्कार तनिष्का (बी.एस.सी.आई.टी. प्रथम वर्ष) द्वितीय पुरस्कार कृतिका सेमवाल (बी.एफ.डी प्रथम वर्ष) व तृतीय पुरस्कार शिवानी बिष्ट (एफ.डी. प्रथम वर्ष) को दिया गया। स्लोगन लेखन में प्रथम पुरस्कार अंजली(जी.टी. प्रथम वर्ष) द्वितीय पुरस्कार आशना अली (जी.टी प्रथम वर्ष) व तृतीय पुरस्कार त्रिशा (पी.जी.डी.सी.ए. प्रथम वर्ष)को दिया गया। साथ ही संस्थान के शिक्षक वर्ग द्वारा अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराते हुए अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया। इस मौके पर स्वतंत्रता दिवस परेड में भाग लेने वाली छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य द्वारा अपने विचार रखते हुए हिन्दी दिवस के महत्व को समझाया गया और अंत में धन्यवाद भाषण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

महिला की जान बचाने पर डीजीपी ने की हेड कांस्टेबल की तारीफ

हमारे संवाददाता

नैनीताल। जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही थी महिला की जान जीआरपी हेड कांस्टेबल ने बचा ली। घटना का वीडियो वायरल होने पर डीजीपी द्वारा उक्त हेड कांस्टेबल की तारीफ की गयी। कहते है कि 'राखे साइयां मार सके ना कोई' यह कहावत वीरवार को उत्तराखंड के नैनीताल स्थित काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर सामने आयी। यहां अपने परिचितों को काठगोदाम स्टेशन पर ट्रेन में बैठाने आई महिला, अचानक लखनऊ एक्सप्रेस के चलने के दौरान फिसल कर ट्रेन के गेट पर लटक गई, जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही महिला के लिए जीआरपी हेड कांस्टेबल अनिल कुमार देवदूत बनकर आए और अपनी जान की परवाह न करते हुए बड़ी सूझ-बूझ से उन्होंने उस महिला को बचा लिया। वहीं अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उक्त हेड कांस्टेबल की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। वहीं उत्तराखंड पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने भी हेड कांस्टेबल की प्रशंसा करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है।

द्रप्समपश्यं विषुणे चरन्तमुपह्वरे नद्यो अंशुमत्या:।
नभो न कृष्णमवतस्थिवांसमिष्यामि वो वृषणो युध्यताजौ।।

(ऋग्वेद ८-९६-१४)

वासनाओं का काला शैतान जीवन की धारा के किनारो पर अपना बल प्रदर्शित करते हुए घूमता है। मनुष्य को प्राण साधना द्वारा उस शैतान को पराजित करना चाहिए। जीव को अपने को व्यापक प्रभु के अंदर देखना चाहिए और सदा ज्ञान के अंदर विचरना चाहिए और सूर्य की तरह चमकना चाहिए।

17 को मनाया जायेगा जागर संरक्षण दिवस

संवाददाता

देहरादून। डांडी काठी क्लब के अध्यक्ष विजय भूषण उनियाल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी क्लब 17 सितम्बर को जागर संरक्षण दिवस मनाने जा रहा है जिसमें 11 विभूतियों को राज्य वाद्य यंत्र सम्मान व चार अधिकारियों को डांडी काठी सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों को इसकी जानकारी देते हुए उनियाल ने बताया कि उत्तराखण्ड अपनी अनूठी लोक कला और संस्कृति के लिए जाना जाता है। राज्य की कुछ लोक विधाओं ने तो देश और दुनिया में अपनी खास पहचान भी बना ली है। उन्होंने कहा कि इसी दिशा में सामाजिक संस्था डांडी काठी क्लब लगातार लोककला और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को बढावा देने में जुटी है। उन्होंने कहा कि डांडी काठी क्लब विगत वर्षो की भांति इस

❑11 विभूतियों व 4 अधिकारियों को किया जायेगा सम्मानित

वर्ष भी (जागर पवाडे, लोकगीतो, लोकवाद्यों एवं विलुप्त होती विधाओं को संरक्षित करने के संकल्प के साथ) 17 सितम्बर को जागर संरक्षण दिवस मनाने जा रहा है। जिसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से अलग-अलग विधाओं में 6 पारंगत श्रेष्ठ विभूतियों एवं पांच ढोलियों सहित कुल 11 विभूतियों को राज्य वाद्य यंत्र सम्मान-2023 और अपने पद क्षेत्र में विशिष्ट योगदान दे रहे 4 अधिकारियों को डांडी कांठी रत्न-2023 से सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश के साहित्यविद, संस्कृति प्रेमी, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि व प्रदेश की लोक संस्कृति के ध्वज वाहक भारी संख्या में शामिल होंगे। प्रेसवार्ता में सचिव कृष्णानंद भटट, प्रकाश बडोनी, पार्षद नरेश रावत, प्रीतम सिंह रावत व अन्य लोग मौजूद थे।

दौड़ते समय पैरों में होती है खुजली, इन तरीकों को अपनाकर करें बचाव

खुद को फिट रखने के लिए रोजाना सुबह-शाम लोग रनिंग करते हैं। वहीं पुलिस और सेना में भर्ती होने की ईच्छा रखने वाले युवक भी रोज सुबह रनिंग करते हैं। दौड़ लगाने के दौरान कई बार लोगों को परेशानी होने लगती है, जिसके कारण उनको दौड़ को बीच में बंद करना पड़ता है। बहुत सारे लोगों के पैरों में दौड़ने के दौरान खुजली होने लगती है। कई बार यह खुजली इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि लोगों को दौड़ बंद करना पड़ता है। लेकिन दौड़ते समय पैरों में खुजली क्यों होती है यह सवाल आपके दिमाग में आ रहा होगा। तो आइए हम आपको पैरों में खुजली क्यों होता है और इसस कैसे बचा जा सकता है इसके बारे में बताते हैं।।।

दौड़ते समय पैरों में क्यों होती है खुजली

दौड़ते समय पैरों में खुजली होना सिर्फ आपकी समस्या नहीं है आपके जैसे बहुत सारे लोग हैं, रनिंग करते समय पैरों में खुजली होने से परेशान हो जाते हैं। इसके कारण उनको दौड़ बंद करनी पड़ता है। दौड़ते समय पैरों में खुजली इसलिए होती है कि दौड़ते समये हमारे शरीर के निचले हिस्से की मांसपेशियां सबसे ज्यादा काम करती हैं। आम भाषा में समझा जाए, तो दौड़ते समय पैरों की मांसपेशियों को अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है और इस कारण पैर के हिस्से में सबसे तेज रक्त प्रवाह होता है। ऐसे में पैरों के निचले हिस्से में काफी खुजली होती है। इसके अवाला भी पैरों में खुजली के दूसरे कारण हो सकते हैं।।।

खुजली के अन्य कारण

- व्यायाम प्रेरित यूरिकेरिया।
- व्यायाम प्रेरित एनाफिलेक्सिस।
- कोल्ड उर्टिकेरिया।
- सर्कुलेशन की समस्याएं।
- एलर्जी।
- रूखी त्वचा।

अगर आपके पैरों में दौड़ते हुए खुजली होती है तो इससे छुटकारा पाने के लिए आप दौड़ने से पहले 1० मिनट का वार्मअप कर सकते हैं। इससे आपका ब्लड सर्कुलेशन अच्छा हो जाएगा। इसके बाद दौड़ने पर आपको खुजली का अनुभव नहीं होगा। खुलजी होने पर आपको इन उपायो को अपनाना चाहिए।।।

लगातार बहुत देर तक रनिंग करने से आपको बचना चाहिए। रनिंग करते या फिजिकल एक्टिविटी करते समय आपको 2० मिनट के अंतराल में ब्रेक लेना चाहिए। इससे आपके शरीर को आराम मिलेगा और मांसपेशियों को तैयार होने का समय मिलेगा। अगर ठंडी के मौसम में आप खुजली का अनुभव कर रहे हैं, तो दौड़ते समय अपने शरीर के सभी हिस्सों को ढंकने के लिए मोटे कपड़े पहनें या फिर कपड़ों की परतों का इस्तेमाल करें। इससे आपकी खुजली बंद हो सकेगी। वर्कआउट शुरू करने से करीब 45 मिनट पहले पानी पिएं और वर्कआउट या रनिंग खत्म करने के बाद भी आपको ज्यादा मात्रा में पानी पीना चाहिए। पानी की कमी के कारण आपकी त्वचा में हिस्टामाइन की रिहाई का कारण बनता है, जिससे खुजली पैदा होती है। ज्यादा पानी पीने से खुजली खत्म हो सकती है।

सोने से पहले लगा लें ये नाईट सीरम, दस साल जवां दिखेगी स्किन

फेस सीरम स्किन के लिए किसी जादुई औषधि से कम नहीं माना जाता। यह स्किन के टेक्सचर से लेकर दाग-धब्बों, झाइयों और कालेपन से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। इन दिनों स्किन की समस्याओं से जुड़े कई तरह के सीरम आपको बाजार में मिल जाएंगे। लेकिन, अगर आप चाहें तो खुद ही इसे घर पर बना सकती हैं।

जी हां, इसके लिए आपको ज्यादा खर्च करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आप विटामिन-ई की कैप्सूल से बना सीरम चेहरे पर लगाएं, तो यह क्रीम से अच्छा रिजल्ट आपको देगा। सीरम को लगाने का सबसे अच्छा समय रात का होता है। रात में फेस सीरम लगाने से सुबह स्किन बेहद सौम्य और कोमल नजर आती है। साथ ही स्किन को रिपेयर होने का भी अच्छा समय मिल जाता है। तो चलिए अब बिना देर किए हुए जानते हैं इसे बनाने की विधि और लगाने का तरीका।।।

सीरम बनाने के लिए आवश्यक सामग्री-

*2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल *2 बड़े चम्मच गुलाब जल *विटामिन ई ऑयल की कैप्सूल- 2

एक कांच के कंटेनर में एलोवेरा जेल के साथ गुलाब जल मिलाएं। उन्हें अच्छी तरह से मिलाने के बाद विटामिन ई की कैप्सूल को किसी नुकीली चीज से छेद कर के उसका ऑयल मिलाएं। जब सभी चीजें मिक्स हो जाएं, तब उसमें 1 चम्मच बादाम का तेल डालें और अच्छी तरह फिर से मिलाएं ताकि सभी सामग्री बारीक रूप से मिश्रित हो जाएं।

फेस सीरम लगाने का तरीका

सोने से पहले अपने चेहरे को क्लींजर या फेस वॉश से अच्छी तरह से साफ कर लें। क्योंकि साफ चेहरे पर सीरम अच्छी तरह से वर्क करेगा। इसके बाद गर्म पानी में भीगी हुए तौलिए से अपने चेहरे को कुछ देर प्रेस करें। इससे आपकी स्किन के पोर्स खुल जाएंगे। उसके बाद अपने चेहरे पर कुछ बूंदें सीरम की लगाएं और उंगलियों से हल्के हल्के प्रेशर के साथ चेहरे की अपवर्ड डायरेक्शन में मसाज करें। जब सीरम सूख जाए तब समझ जाएं कि वह स्किन में समा चुका है।

अब चुटकी में होगा वेट लॉस

वेट लॉस करना आज की जरूरत बन गया है। जहां एक और फिटनेस के लिए यह बहुत जरूरी है कि आप फिट रहें वहीं मोटापा आपको कई बीमारियों की गिफ्त में भी ले लेता है। लेकिन वजन बढ़ाना जितना आसान है उसे कम करना उतना ही मुश्किल। आपने कई लोगों के मुंह से सुना भी होगा कि तमाम कोशिशें करने के बावजूद उनका वजन कम नहीं होता। ऐसे में अगर आप अपनी बिजी शैडयूल से थोड़ा-सा समय निकालकर इन छोटे-छोटे टिप्स को ट्राई करते हैं तो आप अपने वजन को कंट्रोल कर सकते हैं।

अगर आप अपना वज़न घटाना चाहते हैं तो अपनी डाइट में से पोषक तत्वों को न हटाएं। अपने आहार में चैरी, रसीले अंगूर या हरे मटर शामिल करें। कभी भी ब्रेकफास्ट करना न भूलें। ब्रेकफास्ट में अपने पसंदीदा फलों को शामिल करें।

वज़न घटाने के लिए हैवी डाइट की बाजए लाइट डाइट लें। अंकुरित चीज़ें खूब खाएं। दिन के खाने में दाल ज़रूर लें। इससे आपके शरीर में प्रोटीन की मात्रा की कमी नहीं होगी और वज़न भी घटने लगेगा।

वज़न घटाने में तली हुई चीज़ें जैसे- आलू के चिप्स, कुकीज सबसे ज़्यादा बाधक होती हैं। इनका इस्तेमाल कम से कम करें। फास्ट फूड जैसे: बर्गर, पिज़्ज़ा की बजाए सलाद, फ्रुट जैसी चीज़ों को अपनी डाइट में शामिल करें।

वज़न घटाने के लिए संतुलित आहार के साथ एक्सरसाइज करना भी बहुत जरूरी है। अगर आपको स्विमिंग पंसद है तो वज़न घटाने के लिए इससे अच्छी एक्सर्साइज़ दूसरी नहीं हो सकती। इसके अलावा मॉर्निंग वॉक, रस्सी कूदने से भी आप वज़न कम कर सकते हैं। इसके अलावा योग की भी मदद ली जा सकती है।

खाने में फाइबर युक्त भोजन लें, जैसे बीन्स, ब्राउन राइस, नट्स आदि। यह आपके शरीर को कोलेस्ट्रोल से बचाता है और उसे आपके शरीर से बाहर निकालता भी है। फाइबरयुक्त भोजन आपके शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी को भी बर्न करता है।

ई लोगों को लगता है कि बार-बार खाने से वज़न बढ़ता है, इसलिए वे एक साथ ही ज्यादा भोजन कर लेते हैं। लेकिन यह सोच गलत है। ऐसे में ज़्यादा भूख लगती है और लोग ज़्यादा कैलोरी ले लेते हैं। इसलिए दिन में थोड़ी-थोड़ी देर पर कुछ ना कुछ खाते रहना चाहिए।

कुछ लोग हफ्ते में 5-6 दिन संतुलित आहार लेते हैं, पर हफ्ते में एक दिन वे जमकर खाते हैं। उन्हें लगता है कि एक दिन खुलकर खाने से कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन ये सोच गलत है। इससे एक ही दिन में हफ्ते भर में कम की गई कैलोरी शरीर में लौट आती है।

ज्यादातर लोगों को मीठा पंसद होता है। लेकिन ज्यादा मीठा खाना वज़न घटाने वाले लोगों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। मीठे के तौर पर गुड़, खजूर, सौंफ या फिर किशमिश खाएं। सौंफ खाना डाइजेस्ट करने में भी मदद करती है।

ज़्यादातर लोग दिन की शुरूआत कॉफी या चाय से करते हैं, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक होती है। सुबह उठते ही नींबू पानी, नारियल पानी या जूस लेना, वज़न घटाने में काफी फायदेमंद साबित होता है।

वज़न घटाने में पानी काफी मददगार होता है। आप अपने ब्रेकफास्ट में संतरे का जूस ले सकते हैं, लेकिन बाकी पूरे दिन केवल पानी ही लें। डिब्बाबंद जूस और सोडा लेने से भी परहेज़ करें। इनके स्थान पर आप नींबू पानी या फिर नारियल पानी ले सकते हैं।

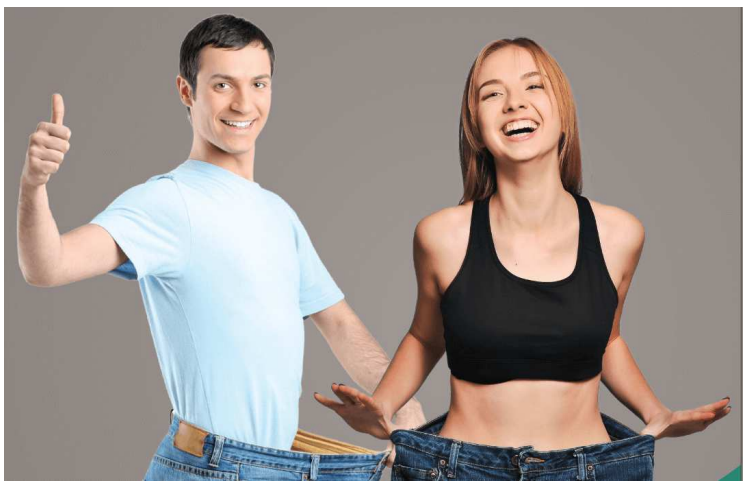

पालतू कुत्ते से भी आपको हो सकता है रेबीज, एक छोटी सी गलती हो सकती है जानलेवा

आजकल घरों में पालतू कुत्ते पालना बहुत कॉमन हो गया है। कई लोग अकेलापन दूर करने या बच्चों को जिम्मेदारी सिखाने के लिए पालतू कुत्ते रखते हैं।पालतू कुत्ते अपने मालिक के प्रति बहुत वफादार और प्यारे होते हैं। लेकिन क्या आपको पता है पालतू कुत्ते से रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी हो सकती है। अगर हम पालतू कुत्तों की देखभाल करते समय सावधानी नहीं बरतते हैं तो हम अपनी जान को खतरे में डाल सकते हैं। इसलिए पालतू कुत्ते पालते समय हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे रेबीज जैसी बीमारियों से सुरक्षित हैं और हमारे लिए कोई खतरा नहीं हैं।

रेबीज एक बीमारी है जो जानवरों की लार से फैलती है। संक्रमित जानवर के लार का संपर्क जब व्यक्ति के खून से होता है, तो ये वायरस फैलता है। व्यक्ति के खून में ये वायरस या तो जानवर के काटने से पहुंचते हैं या पालतू जानवरों के घाव और चोट आदि के चाटने से भी फैल जाते हैं। इसलिए पालतू कुत्तों को रेबीज के टीका लगवाना बेहद जरूरी होता है। रेबीज से

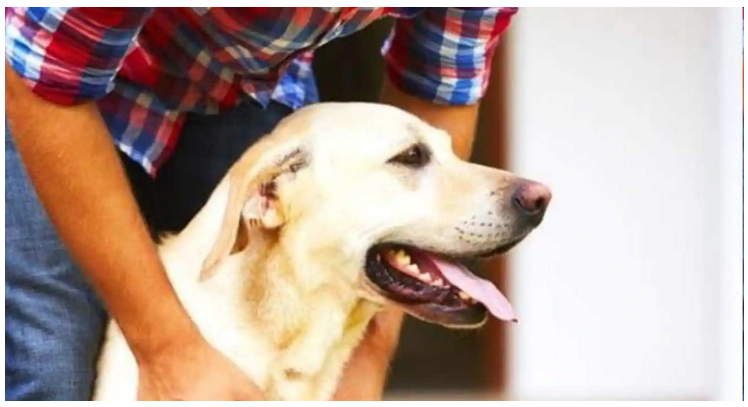

संक्रमित कुत्तों में कुछ विशिष्ट लक्षण दिखाई देते हैं जैसे अत्यधिक उत्तेजना और आक्रामकता, लार बहना, भौंकना-चीखना, आवाज़ में बदलाव, भूख कम लगना आदि। इसलिए पालतू कुत्तों को नियमित रूप से रेबीज का टीका लगवाना जरूरी हो जाता है ताकि वे रेबीज से बचे रहें और आस-पास के लोगों को भी रेबीज से सुरक्षा मिल सके।

रेबीज से होती है यह बीमारी

रेबीज के कुछ लक्षण वर्षों बाद भी दिखाई देती है। रेबीज एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है जिसमें वायरस शरीर के न्यूरल तंत्र को प्रभावित करता है रेबीज मस्तिष्क और नसों को नुकसान पहुंचाता है, इसलिए इसके कुछ लक्षण वर्षों बाद भी दिखाई दे सकते हैं, जैसे-

* मांसपेशियों में कमजोरी
* स्पीच में दिक्कत
* चेहरे की मांसपेशियों में ऐंठन
* मानसिक समस्याएं, इसलिए रेबीज का इलाज सही समय पर कराना बेहद जरूरी है। टीकाकरण भी रेबीज से बचाव का एकमात्र तरीका है। (आरएनएस)

महिला कैदियों की बदहाली

महिला कैदियों की हालत पुरुष कैदियों से कहीं ज्यादा ज़्यादा खराब है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2014-19 के बीच महिला कैदियों की संख्या 11.7 फीसदी बढ़ी। लेकिन सिर्फ 18 प्रतिशत को महिलाओं के लिए बनी विशेष जेलों में जगह मिली है।

आधुनिक न्याय व्यवस्था का सिद्धांत है कि सजा का मकसद अपराधियों को आत्म-ग्लानि का मौका देना और उन्हें सुधरने का पूरा अवसर उपलब्ध कराना है। बदले की भावना या क्रूरता के जरिए समाज में मिसाल कायम की सोच पुरातन या मध्य-युगीन परिपाटी है, जब तर्क एवं विवेक आधारित सभ्यता अविकसित अवस्था में थी। इसीलिए जिन देशों में आधुनिक न्याय व्यवस्था को अपनाया गया है, वहां जेलों में अधिक से अधिक मानवीय स्थिति बनाना जरूरी समझा जाता है। इस कसौटी पर भारत के अंतर्विरोध जग-जाहिर रहे हैं। सिद्धांत- अपने देश में आधुनिक न्याय व्यवस्था अपनाई गई है, लेकिन व्यवहार में हालात उलटे हैँ। महिला कैदियों के बारे में आई एक नई रिपोर्ट ने इसी धारणा की पुष्टि की है। रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि महिला कैदियों की हालत पुरुष कैदियों से कहीं ज्यादा ज़्यादा खराब है। इसमें बताया गया है कि 2014 से 2019 के बीच महिला कैदियों की संख्या 11.7 फीसदी बढ़ी। लेकिन सिर्फ 18 प्रतिशत को महिलाओं के लिए बनाई गई विशेष जेलों में जगह मिली है।75 फीसदी महिला कैदियों को रसोई और शौचालय पुरुषों के साथ साझा करना पड़ता है। जेलों की इस खराब स्थिति की तस्वीर जस्टिस अमिताव रॉय की अध्यक्षता वाली कमेटी की रिपोर्ट में सामने आई है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने चिंता जताई थी कि कई राज्यों की जेलों में क्षमता से डेढ़ गुना ज़्यादा कैदी हैं। इसे मानवाधिकार हनन का गंभीर मामला बताते हुए तब कोर्ट ने यह कमेटी बनाई गई। तीन सदस्यों वाली इस कमेटी का मकसद यह जानना था कि भारतीय जेलों में क्या हालात हैं। कमेटी ने दिसंबर 2022 में अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपी थी, लेकिन उसमें दिए गए निष्कर्ष अब मीडिया में आए हैं। इसके पहले एनसीआरबी की 2021 की रिपोर्ट से सामने आया था कि 21 राज्यों में महिलाओं के लिए अलग जेल तक नहीं है। उधर महिलाओं के खिलाफ जेल में हुए अपराध की शिकायते दर्ज करने की व्यवसथा सिर्फ 11 राज्यों में है। जब ये हाल हो, तो महिलाओं के लिए मासिक धर्म या गर्भावस्था में जरूरी सुविधाओं की अपेक्षा करना निराधार ही मालूम पड़ता है।(आरएनएस)

विपक्ष अपने एजेंडे पर अड़ा रहेगा

संसद के विशेष सत्र में विपक्षी पार्टियां आसानी से केंद्र सरकार के एजेंडे पर न चर्चा होने देंगी और न प्रस्ताव मंजूर होने देंगी। कांग्रेस के संसदीय रणनीतिक समूह की बैठक के बाद कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने पार्टी का इरादा साफ कर दिया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां मोदी चालीसा के लिए संसद में नहीं बैठेंगी। इसका मतलब है कि विपक्ष को भी अंदाजा है कि विशेष सत्र मोदी चालीसा के लिए आयोजित किया जा रहा है। हालांकि हो सकता है कि इसके अलावा भी कुछ हो, जिसे ऐन उसी समय सामने रख कर सरकार सबको चौंका दे। लेकिन अभी अगर सिर्फ यह मकसद है कि प्रधानमंत्री की तारीफ, अभिनंदन करना है और भविष्य की योजनाओं का संकल्प पेश करके चुनाव का एजेंडा तय करना है तो विपक्षी पार्टियां वह काम आसानी से नहीं होने देंगी।

तभी रणनीतिक समूहह की बैठक के अगले दिन कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी और नौ विषयों की एक सूची बताई, जिन पर विपक्ष चर्चा चाहता है। इसमें मुख्य मुद्दा मणिपुर का है, जहां सरकार के तमाम दावों के उलट हिंसा अब भी जारी है और लोग मारे जा रहे हैं। इतना ही नहीं घटना की रिपोर्टिंग पर एडिटर्स गिल्ड के अध्यक्ष सहित तीन सदस्यों पर खुद मुख्यमंत्री ने मुकदमा दर्ज कराया। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने भी हैरानी जाहिर की। विपक्ष चाहता है कि मणिपुर के साथ साथ चीन की घुसपैठ, किसानों के साथ हुए समझौते, महंगाई आदि के मुद्दों पर चर्चा हो। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के फ्लोर लीडर्स के साथ मल्लिकार्जुन खडके की बैठक के बाद कहा जा रहा है कि विपक्ष पहले दिन अपने एजेंडे पर चर्चा चाहेगा। अडानी का भी मुद्दा उठाएगा। सरकार उस पर चर्चा के लिए तैयार नहीं होगी तो विपक्ष हंगामा करके संसद नहीं चलने देगा। दूसरे दिन कार्यवाही नए भवन में शुरू होगी। सो, यह देखना दिलचस्प होगा कि नए संसद भवन का पहला दिन कैसा होता है? हंगामे में जाया होता है या कोई सार्थक चर्चा होती है? (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पेट में राइट साइड दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं

क्या आपने कभी पेट की दाहिनी तरफ दर्द महसूस किया है? पेट में दर्द होना वैसे तो आम बात है लेकिन हर दर्द का मतलब आपको पता होनी चाहिए। पेट की दाहिनी तरफ अगर दर्द होता है तो यह आपको परेशान कर सकता है। क्योंकि पेट की दाहिने तरफ कई ऑर्गन होते हैं। और इस तरफ दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं।

यह अपेंडिसाइटिस हो सकता है

अपेंडिसाइटिस दाहिनी ओर पेट दर्द के सबसे आम कारणों में से एक है। इसमें दर्द होता है जो नाभि के आसपास शुरू होता है और फिर निचले दाहिनी ओर बढ़ जाता है। इस केस में दर्द 24 घंटों की अवधि में तेजी से बढ़ता और तेज होता है। इसमें तुरंत चिकित्सा हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। अगर इलाज न किया जाए तो यह आपके अपेंडिक्स फट भी सकता है।

पेट में पथरी के कारण

क्या आपने कभी पेट के दाहिनी ओर दर्द महसूस किया है? पेट में दर्द अक्सर होने वाली शिकायत है, और जब यह दाहिनी ओर होता है तो यह परेशान करने वाला हो सकता है। पेट के दाहिने हिस्से में कई अंग होते हैं, और इस स्थान पर दर्द कई प्रकार की अंतर्निहित समस्याओं का संकेत दे सकता है।

गॉलब्लाडर की समस्या

गॉलब्लॉडर की समस्याएं हो सकती है। जैले पथरी सूजन।ऊपरी और दाहिने पेट में दर्द का कारण बन सकती है। यह दर्द अक्सर खाना खाने के बाद होता है। इसके साथ उल्टी और मतली की समस्या भी हो सकती है। गॉलब्लाडर में पथरी भी पेट दर्द कारण बन सकता है।

लिवर से संबंधित दिक्कतें

लिवर से संबंधित परेशानी , जैसे हेपेटाइटिस या लिवर फोड़ा, पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में असुविधा या दर्द पैदा करने का कारण हो सकता है। इसके अलावा, लक्षणों में पीलिया (त्वचा और आंखों का पीला पडना़), थकान और टॉयलेट का रंग गहरा होना। लिवर की स्थिति गंभीरता में भिन्न होती है। कुछ हल्के हो सकते हैं और लाइफस्टाइल में कंट्रोल रखने और दवा से इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

गुर्दे की पथरी

गुर्दे की पथरी से गंभीर दर्द हो सकता है जो पीठ से निचले दाहिने पेट तक फैलता है। दर्द लहरों में आ सकता है और टॉयलेट में खून, मतली और बार-बार पेशाब आने के साथ जुड़ा हो सकता हैगुर्दे की पथरी अविश्वसनीय रूप से दर्दनाक हो सकती है लेकिन आम तौर पर जीवन के लिए खतरा नहीं होती है। हालाँकि, असुविधा से राहत और जटिलताओं को रोकने के लिए उनका इलाज किया जा सकता है।

आंतों के मुद्दे

रिपोर्ट के अनुसार, दाहिनी ओर पेट में दर्द विभिन्न आंतों की समस्याओं, जैसे चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम (आईबीएस), क्रोहन रोग, या डायवर्टीकुलिटिस के कारण हो सकता है। इन स्थितियों के कारण पेट में ऐंठन, आंत्र की आदतों में बदलाव और सूजन हो सकती है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -043

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरेया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

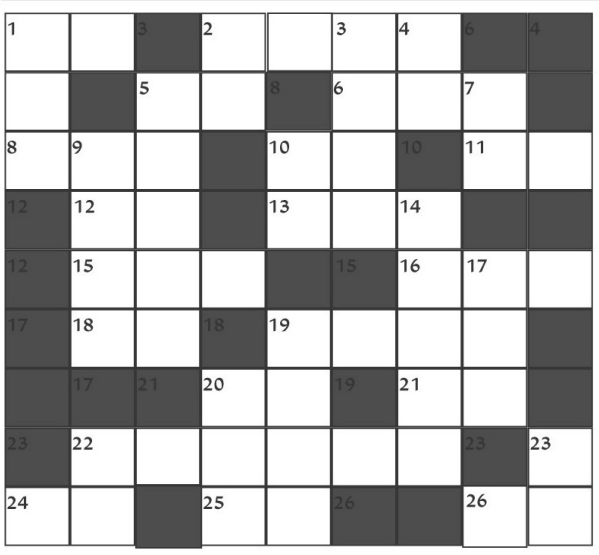

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 42 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

जुबिन नौटियाल का नया गाना राब्ता रिलीज, अदा शर्मा ने दिया साथ

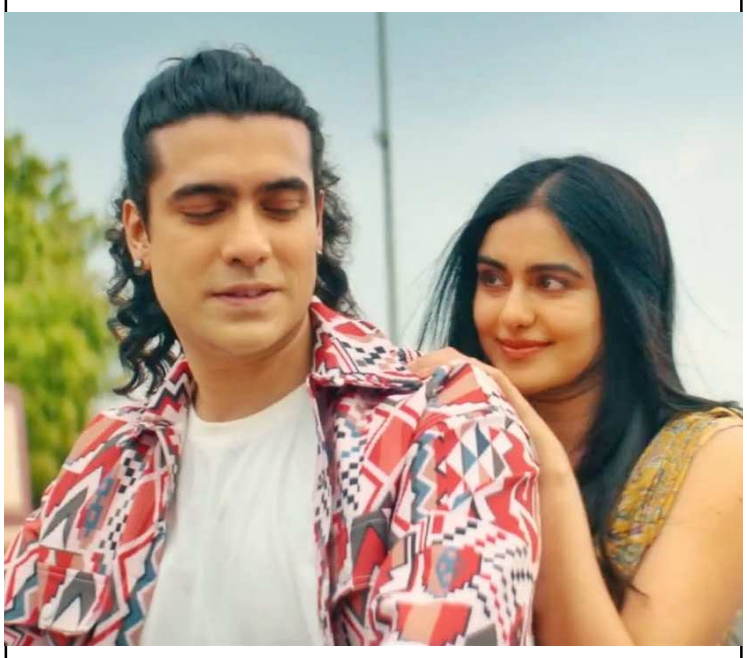

भारतीय सिनेमा के जाने-माने गायक जुबिन नौटियाल का नया गाना राब्ता रिलीज हो चुका है, जिसे सोशल मीडिया पर भरपूर प्यार मिल रहा है।राब्ता को जुबिन ने चिरंतन भट्ट के साथ मिलकर गाना है। इस गाने के बोल जुनैद वसी ने लिखे हैं।इसमें जुबिन की जोड़ी फिल्म द केरल स्टोरी अभिनेत्री अदा शर्मा के साथ बनी है।राब्ता में दोनों सितारों की केमिस्ट्री देखने लायक है। गाने को प्राकृतिक नजारों की खूबसूरती के बीच फिल्माया गया है।

जुबिन ने इंस्टाग्राम पर राब्ता गाना साझा किया है। उन्होंने लिखा, मेलोडी लव और कनेक्शन को अपने दिल में भरने दें। राब्ता गाना जारी।इस गाने का निर्देशन ध्रुवल पटेल और जिगर मुलानी ने किया है। भूषण कुमार राब्ता के निर्माता हैं।जुबिन को बेवफा तेरा मासूम चेहरा और दिल गलती कर बैठा है जैसे गानों के लिए जाना जाता है।अदा की आगामी फिल्मों की बात करें तो वह द गेम ऑफ गिरगिट में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगी।

इस गाने की रिलीज से पहले एक्ट्रेस अदा खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की थी जिसमें वो जुबिन नौटियाल के साथ फोटो के लिए पोज देते हुए दिखी थी।

अदा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 6 तस्वीरें शेयर की थी। पहली तस्वीर में जुबिन नौटियाल हाथों में गिटार लिए अदा शर्मा की तरफ देख रहे हैं। इसी तरह बाकी तीन तस्वीरों में भी जुबिन नौटियाल और अदा शर्मा ही दिख रहे हैं। हालांकि आखिरी की जो तस्वीरें हैं वो फैंस को काफी पसंद आ रही है।

गिप्पी ग्रेवाल की कैरी ऑन जट्टा 3 ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दी दस्तक

पंजाबी सिनेमा के मशहूर अभिनेता-गायक गिप्पी ग्रेवाल को आखिरी बार फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 में देखा गया था।महज 15 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 102.75 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। अब कैरी ऑन जट्टा 3 ने ओटीटी प्लेटफॉर्म चौपाल टीवी पर दस्तक दे दी है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 में गिप्पी की जोड़ी सोनम बावजा के साथ बनी थी, जिसे सिनेमाघरों में दर्शकों का खूब प्यार मिला था।गुरप्रीत घुग्गी, कविता कौशिक, बिन्नू ढिल्लों, जसविंदर भल्ला, करमजीत अनमोल और नासिर चिन्योति भी इस फिल्म का हिस्सा थे।कैरी ऑन जट्टा 3 का निर्देशन समीप कांग ने किया था तो वहीं फिल्म की कहानी वैभव सुमन और श्रेया श्रीवास्तव ने मिलकर लिखी थी।इसका निर्माण गिप्पी ग्रेवाल ने रवनीत कौर ग्रेवाल के साथ किया था।

कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना- कुशा कपिला

कुशा कपिला इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सुखी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात की है। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और एक्ट्रेस कुशा कपिला ने कुछ समय पहले पति जोरावर अहलूवालिया से अलग होने का फैसला लिया था। उन्होंने इस बारे में सोशल मीडिया पर फैंस को बताकर चौंका दिया था। जोरावर से तलाक लेने की अनाउंसमेंट करने के बाद कुशा को सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल किया गया था। कुशा ने अब ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया है। साथ ही बताया कि वह इस आलोचना से कितनी प्रभावित हुई थीं। कुशा कपिला का नाम हाल ही में बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर से जोड़ा गया था। जिसका बारे में तुरंत बात करके कुशा ने लोगों का मुंह बंद करवा दिया था। कुशा ने एक इंटरव्यू में बताया है कि उन्होंने आलोचना का कैसे सामना किया।

कुशा ने कहा कि उनके दोस्त, फैमिली ने ऑनलाइन ट्रोलिंग के दौरान बहुत सपोर्ट किया। सभी ने मेरे चारों तरफ एक सर्कल बना लिया था जो मुझे हर चीज से प्रोटेक्ट करता था और मैं खुशकिस्मत हूं कि ऐसे लोग मेरी जिंदगी में हैं। कुशा ने आगे कहा- मैं समझती हूं कि ये पब्लिक पर्सन होने का हिस्सा है। कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना और ये होने ही वाला है।

कुशा ने आगे कहा- मुझे लगता है कि मैं अब हर दिन मजबूत होती जा रही हूं। इसी के लिए मैं रोजाना काम कर रही हूं। मैं इम्यून होना चाहती हूं और घाव जल्द ही भर जाएंगे।

कुशा के एक्स हसबैंड उनके सपोर्ट में उतरे थे। जोरावर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करके अपनी नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने लिखा था- मुझे एहसास हुआ कि हम पब्लिक लाइफ जीते हैं लेकिन कुछ ऐसी चीजें भी हैं बहुत पवित्र हैं। हमारी शादी और एक-दूसरे के लिए रिस्पेक्ट भी उन्हीं में से एक है।

सीरीज आखिरी सच में शिविन नारंग ने तमन्ना भाटिया के साथ काम करने का बताया अनुभव

सीरीज आखिरी सच से ओटीटी में डेब्यू करने वाले अभिनेता शिविन नारंग ने अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया। अभिनेता शिविन नारंग को रोमांटिक-थ्रिलर बेहद 2 में रुद्र रॉय के किरदार के लिए जाना जाता है।

सीरीज आखिरी सच में शिविन ने अमन का किरदार निभाया है। शो में इंस्पेक्टर अन्या की भूमिका में तमन्ना भाटिया, भुवन की भूमिका में अभिषेक बनर्जी और इसमें प्रतीक सहजपाल, दानिश इकबाल, निशु दीक्षित, कृति विज और संजीव चोपड़ा हैं। जटिल घटनाओं के तूफान में फंसे एक किरदार को निभाते हुए शिविन ने साझा किया, मैंने तमन्ना को ज्यादातर ग्लैमरस भूमिकाओं में देखा है और उन्हें एक पुलिस वाले के रूप में देखना अविश्वसनीय था। मैं कहानी की तीव्रता को समझता हूं, क्योंकि हम सभी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आते हैं।

उन्होंने कहा, थिएटर से सिनेमा तक हमने जीवन के विभिन्न पहलुओं से अभिनय किया और एक महान टीम वर्क में योगदान दिया। कुल मिलाकर जिस चीज़ ने आखिरी सच को महान बनाया, वह है प्रतिभाशाली लोगों का एक साथ आना। एक रात, एक परिवार, कई मौतें, एक जांच अधिकारी और विभिन्न सिद्धांतों पर आधारित आखिरी सच सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज प्रत्येक चरित्र के जीवन पर प्रकाश डालती है। मुख्य जांच अधिकारी अन्या की भूमिका निभा रही तमन्ना मौतों के रहस्य को उजागर करने के मिशन पर निकलती है। निर्विकार फिल्म्स द्वारा निर्मित, रॉबी ग्रेवाल द्वारा निर्देशित और सौरव डे द्वारा लिखित, आखिरी सच सीरीज डिज्नी प्?लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है।

ऑरेंज कलर का आउटफिट पहन इवेंट में पहुंचीं शहनाज गिल

एक्ट्रेस शहनाज गिल आए दिन अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कर कयामत ढा देती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही धमाल मचाने लग जाता है। बता दें कि एक्ट्रेस के पास इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। शहनाज जल्दी ही फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग में नजर आएंगी। इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान शहनाज अपनी बाकी स्टारकास्ट के साथ पहुंचीं। लेकिन सब लोगों की नजर शहनाज पर ही टिकी रह गई थी। पंजाबी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपने चुलबुले अंदाज से लोगों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान एक्ट्रेस ने बेहद ही बोल्ड आउटफिट कैरी किया हुआ था। एक्ट्रेस शहनाज गिल के इस स्टाइलिश बैकलेस ऑरेंज कलर के गाउन पर से लोगों की नजरें हटने का नाम नहीं ले रही थी। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शहनाज किलर अपने परफेक्ट बॉडी कर्व्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। कैमरे के सामने शहनाज गिल एक से बढ?र एक पोज देती हुई सिजलिंग पोज दे रही हैं। ओपन हेयर और

न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस ने शहनाज गिल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बताते चलें कि इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हैं। ये मूवी 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। इस फिल्म की कहानी लड़कियों पर बेस्ड है, जिसमें दिखाया गया है कि वो अपनी लाइफ के फैसले खुद ले सकती हैं।

जी-20 का डंका बजता रहेगा

अजीत द्विवेदी

जी-20 का शिखर सम्मेलन समाप्त हो गया है लेकिन उसका डंका बजना अभी जारी रहेगा। अभी तक भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलने और उसके आयोजन की तैयारियों को लेकर जय-जयकार हो रही थी लेकिन अब सफल आयोजन का डंका बजेगा। दुनिया भर के देशों के नेता दिल्ली से लौटते लौटते भारत के आयोजन की तारीफ करके गए हैं। जी-20 के नए अध्यक्ष ब्राजील के राष्ट्रपति इनासियो लूला डी सिल्वा ने तो यहां तक कहा कि उनका देश भारत की तरह ही आयोजन करने की भरपूर कोशिश करेगा। आयोजन की भव्यता के साथ साथ इसकी सफलता को लेकर भी बहुत चर्चा हुई है। नई दिल्ली घोषणापत्र पर सौ फीसदी सहमति की तारीफ अलग अलग तरह से सभी देशों ने की। इस घोषणापत्र को रूस ने अपनी जीत बताया तो फ्रांस के राष्ट्रपति ने यूरोप की जीत बताया। भारतीय मीडिया में इस बात का भरपूर प्रचार हुआ कि भारत ने 37 पन्नों और 83 पैराग्राफ के नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनवाई। यह भारत की कूटनीतिक जीत है कि इसकी तारीफ रूस भी कर रहा है और यूरोप भी। सारी दुनिया भारत के नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ कर रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने यह कह कर भारत का मान और बढ़ा दिया कि सही समय पर सही देश को जी-20 का नेतृत्व मिला। इस तरह जी-20 की कूटनीति के बाद अब इसके राजनीतिक इस्तेमाल के लिए मैदान सज गया है।

ऐसा नहीं है कि पहले इसका राजनीतिक इस्तेमाल नहीं हो रहा था। जब से भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिली तभी से इसका इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्वगुरू की छवि बनाने के लिए किया जाने लगा था। उसके बाद एक सच्चे और बड़े इवेंट के आयोजक की तरह प्रधानमंत्री ने इसका विस्तार बहुत व्यापक कर दिया। पिछले साल दिसंबर में भारत को इसकी अध्यक्षता मिली थी उसके बाद नौ महीने में देश के 60 शहरों में जी-20 से जुड़ी 220 से ज्यादा बैठकें हुईं। इन बैठकों में दुनिया के अलग अलग देशों के 25 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हुए। ब्राजील में सिर्फ पांच शहरों में बैठकें होंगी। भारत में पर्यटन से लेकर खाद्य सुरक्षा और लघु व छोटे उद्योगों से लेकर स्वास्थ्य तक हर क्षेत्र के बारे में विचार किया गया और उसका रोडमैप तैयार किया गया। अफ्रीकी संघ के 55 देशों की इसमें बड़ी भागीदारी रही और जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन अफ्रीकी संघ को जी-20 का हिस्सा बनाने का ऐलान हुआ। भारत को इसका श्रेय मिला कि उसने वसुधैव कुटुम्बम और अपने समावेशी विकास के सिद्धांत पर चलते हुए अफ्रीका को इस विकसित देशों के समूह का हिस्सा बनवाया।

आमतौर पर वित्त और विदेश नीति से देश की आम जनता को कोई खास मतलब नहीं होता है। तभी 24 घंटे चलने वाले न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया के बावजूद बजट से लोगों को इतना ही मतलब होता है कि क्या महंगा हुआ और क्या सस्ता और कूटनीति से सिर्फ इतना सरोकार होता है कि पाकिस्तान को भारत ने ठीक कर दिया, पाकिस्तान जाकर क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं, उनके यहां आना-जाना बंद कर दिया है आदि। थोड़े पढ़े लिखे लोगों का सरोकार इतना होता है कि अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, कनाडा आदि का वीजा मिल जाए। यह पहला मौका था, जब सरकार ने जी-20 के बहाने कूटनीति को पढ़े-लिखे, सम्भ्रांत शहरी वर्ग के ड्राइंग रूम से निकाल कर गांव-कस्बों के चौपाल और चाय की दुकान तक पहुंचा दिया। पिछले नौ महीने से हर व्यक्ति जी-20 के बारे में बात करता हुआ था। उसे इसका एजेंडा भले न मालूम हो लेकिन यह पता चल गया था कि भारत में बहुत बड़ा आयोजन हो रहा है, जिसमें दुनिया की सारी महाशक्तियों के नेता नई दिल्ली में जुट रहे हैं। सरकार, भाजपा और आरएसएस के प्रचार तंत्र से उनको यह भी पता चल गया था कि मोदी हैं तभी ऐसा हो रहा है। देश की ज्यादातर आबादी अब भी यही मान रही है कि पहली बार इस तरह का आयोजन भारत में हुआ है।

बची खुची कसर आयोजन के तीन दिन यानी आठ और दस सितंबर की कवरेज ने पूरी कर दी। दुनिया के महाबली देशों के विमानों का हवाईअड्डे पर उतरना, नेताओं का भारत मंडपम में पहुंचना, मोदी का उन्हें गले लगाना, दुनिया की महाशक्तियों के बीच बैठे मोदी का गैवल यानी हथौड़ा पीटना और राजघाट पर एक साथ 20 से ज्यादा नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों का नेतृत्व करते हुए उन्हें महात्मा गांधी की समाधि पर ले जाना, इन सबसे बेहद पावरफुल तस्वीर बनी। भूख, बेरोजगारी, गरीबी अपनी जगह है और गर्व अपनी जगह है। राष्ट्र का सम्मान, तिरंगे का गौरव आदि ऐसी भावनाएं हैं, जो नागरिकों को अपने जीवन की तमाम असुविधाओं और परेशानी से आगे ले जाती हैं। इस आयोजन के बाद यह कहते हुए बहुत से लोग मिल जाएंगे कि 'कुछ भी हो मोदी ने कमाल कर दिया'। यह धारणा अपने आप भाजपा और नरेंद्र मोदी का चुनावी स्टॉक ऊंचा करने वाली है। इसके बाद जो प्रचार होगा उससे रही सही कसर और पूरी हो जाएगी।

प्रचार की शुरुआत भी हो गई है। शिखर सम्मेलन समाप्त होने के तुरंत बाद सरकार के मंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कमान संभाली। दोनों ने शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए मोदी को बधाई दी। इस आयोजन के लिए भारत के शेरपा रहे अमिताभ कांत और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहले ही दिन ऐलान कर दिया कि भारत का नेतृत्व दुनिया में घोषित हो गया। अखबारों में यह लिखा जाने लगा कि जी-20 का सफल आयोजन भारत के लिए वही लम्हा है, जो 2008 में बीजिंग ओलंपिक का आयोजन चीन के लिए था। यानी जिस तरह से बीजिंग ओलंपिक के आयोजन के बाद चीन महाशक्ति बनने की ओर तेजी से बढ़ा उसी तरह भारत जी-20 के आयोजन के बाद बढ़ेगा। इस आयोजन के बाद दो और आयोजन की घोषणा हो चुकी है। पहले 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जय-जयकार होगी, उनका अभिनंदन होगा। फिर मोदी ने नवंबर में जी-20 के एक वर्चुअल सम्मेलन का प्रस्ताव रखा है, जिसमें नई दिल्ली घोषणापत्र के प्रस्तावों पर अमल की समीक्षा होगी। प्रधानमंत्री मोदी चाहेंगे कि दिल्ली सम्मेलन की चर्चा होती रहे। इस बीच 'यह समय युद्ध का नहीं है' के अपने जुमले के लिए मोदी नोबल पुरस्कार के लिए नामित होते हैं तो उसकी अलग चर्चा होगी।

अगर जी-20 के एजेंडे को देखें और इसके प्रस्ताव पर नजर डालें तब भी सब कुछ अच्छा अच्छा दिखेगा। इसमें बार बार वसुधैव कुटुम्बकम की बात है, समावेशी विकास की बात है, लैंगिक समानता व सभी महिलाओं को सशक्त बनाने की चर्चा है, भविष्य के लिए हरित विकास की बात है, टिकाऊ विकास और डिजिटल डिवाइड को दूर करने की बात है, बहुपक्षीय संस्थानों के निर्माण पर जोर है और दुनिया के देशों के बीच एकता बनाने की बात है। 'वन अर्थ, वन फैमिल, वन फ्यूचर' का संदेश है। नई दिल्ली घोषणपत्र में 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल नहीं हुआ लेकिन पहले इसकी इतनी चर्चा हो चुकी है कि भाजपा के तमाम नेता भारत को 'ग्लोबल साउथ' की सबसे प्रमुख आवाज के तौर पर उभरने का दावा कर रहे हैं। अगले दो महीने में होने वाले राज्यों के चुनाव और अगले साल के लोकसभा चुनाव के लिए यह प्रचार का मुख्य एजेंडा होगा कि भारत ने नई दिल्ली घोषणापत्र पर सौ फीसदी सहमति बना कर असंभव को संभव बनाया, 55 देशों के अफ्रीकी संघ को जी-20 का सदस्य बनाया, जिसके बाद इसक नाम जी-21 हो गया और 'ग्लोबल साउथ' की प्रमुख आवाज बन कर उभरा। हैरानी नहीं होगी अगर भाजपा के घोषणापत्र में नई दिल्ली घोषणापत्र की चीजें शामिल हों।

सू- दोकू क्र.043

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.42 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

रात्रिभोज पर विपक्षी मुख्यमंत्रियों की राजनीति

भारत में या दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में यह सिर्फ कहने की बात होती है कि अमुक बात पर राजनीति नहीं होनी चाहिए या अमुक बात राजनीति से परे है। असल में हर बात पर राजनीति होती है, चाहे होती हुई दिखे या न दिखे। यहां तो जी-20 देशों के मेहमानों के लिए आयोजित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रात्रिभोज में साफ-साफ राजनीति होती हुई दिखी। शुरुआत केंद्र सरकार ने की, जिसने इस पूरे आयोजन को सरकारी बना दिया और यह तय किया कि सिर्फ सरकार के लोगों को बुलाया जाएगा। तभी विपक्षी पार्टियों के मुख्यमंत्री बुलाए गए लेकिन विपक्ष के नेता नहीं बुलाए गए। इसके बाद मुख्यमंत्रियों ने अलग राजनीति की। जो रात्रिभोज में पहुंचे उनकी अलग राजनीति थी और जो नहीं पहुंचे उनकी अपनी राजनीति थी।

पहले नहीं पहुंचने वालों को देखें। विपक्षी पार्टियों के जो मुख्यमंत्री रात्रिभोज में नहीं पहुंचे उनमें से तीन के यहां अगले दो महीने में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव इसलिए नहीं गए कि उनके यहां चुनाव होने वाले हैं और वे भाजपा और केंद्र सरकार के विरोध की अपनी राजनीति को जरा सा भी कमजोर होने देना अफोर्ड नहीं कर सकते थे। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन नहीं गए और उसका कारण वैचारिक था। वामपंथी पार्टियों का मानना है कि यह पूरा आयोजन पश्चिमी देशों के वर्चस्व वाला है। विपक्ष का चेहरा बनने के लिए वे जो प्रयास कर रहे हैं उसमें यह उम्मीद नहीं की जा सकती थी कि केजरीवाल सम्मेलन में जाकर प्रधानमंत्री और मंत्रियों के साथ फोटो खिंचवाते।

विपक्षी पार्टियों के जो मुख्यमंत्री रात्रिभोज में शामिल हुए उनकी अपनी राजनीति थी। पिछले करीब डेढ़ साल से सरकारी कार्यक्रमों का बहिष्कार कर रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसमें शामिल होकर बिहार की जनता को मैसेज दिया है कि उनका भाजपा के प्रति सद्भाव है तो कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों को मैसेज है कि जल्दी से उनको संयोजक बनाया जाए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को नौ सितंबर को ही ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। उस दिन वे राष्ट्रपति के डिनर में चले गए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन रात्रिभोज में शामिल हुए। इसका कारण यह था कि उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन ने सनातन को लेकर जो बयान दिया था उसका राज्य में तो राजनीतिक लाभ है लेकिन देश के स्तर पर पार्टी के अलग थलग होने का खतरा है। (आरएनएस)

बच्चों के पेट में कीड़ों का करें घरेलू उपाय

बच्चों के पेट में कीड़े होना बेहद आम समस्या है, और लगभग 10 में से 7-8 बच्चों को यह समस्या होती ही है हालाँकि, कुछ समय तक तो यह पता भी नहीं चल पाता कि बच्चे को पेट में कीड़े हुए हैं। यह कीड़े बच्चे को अंदर ही अंदर बहुत परेशान करते हैं लेकिन यदि आप थोड़ी सी सावधानी बरतें, तो इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है, वह भी बिना किसी डॉक्टरी सलाह के।

करेला- करेले का रस भी पेट के कीड़ों के लिए बहुत उपयुक्त होता है लेकिन, इसका सेवन बच्चे शायद न कर पाएं। लेकिन, यदि इस प्रकार की समस्या बड़े लोगों को हो तो वह इसका प्रयोग कर सकते हैं।

हल्दी- सुबह के समय खाली पेट एक चम्मच और बच्चा छोटा हो तो आधी चम्मच हल्दी का गुनगुने पानी के साथ सेवन कराने से पेट के कीड़े मर जाते हैं। कच्ची हल्दी को गुड के साथ मिलाकर गोली बना कर सेवन भी किया जा सकता है। निम्बू और शहद- नीबू पत्तों के रस को शहद में मिलाकर सुबह खली पेट चाटने से पेट के कीडे जल्दी ही मर जाते हैं। गुनगुने पानी में नमक का सेवन- यदि गुनगुने पानी में सुबह के समय खाली पेट थोड़ा सा साधारण नमक डालकर सेवन किया जाए तो पेट के कीड़े बहुत जल्दी मरकर बाहर निकल जाते हैं।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के पहले चरण में व्यापक जनभागीदारी दिखी

संवाददाता

देहरादून। मेरी माटी मेरा देश अभियान के पहले चरण में व्यापक जनभागीदारी देने को मिली। 36 राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों में स्वतंत्रता सेनानियों और सुरक्षा बलों को 2.33 लाख से अधिक शिलाफलकम समर्पित किए गए। 4 करोड़ पंच प्रण प्रतिज्ञाएं, 2 लाख से अधिक वीरों के लिए सम्मान कार्यक्रम, 2.63 लाख अमृत वाटिकाएं बनाई गईं। देश के हर घर तक पहुंचने के उद्देश्य के साथ दूसरे चरण में प्रवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान करने वाले वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए 9 अगस्त 2023 को एक राष्ट्रव्यापी अभियान मेरी माटी मेरा देश शुरू किया गया। यह अभियान आजादी का अमृत महोत्सव का समापन कार्यक्रम है, जो 12 मार्च 2021 को शुरू हुआ और पूरे भारत में 2 लाख से अधिक कार्यक्रमों में व्यापक जनभागीदारी देखने को मिली। इस अभियान में स्वतंत्रता सेनानियों और सुरक्षा बलों को समर्पित शिलाफलकम की स्थापना जैसे कार्यक्रमों के साथ-साथ पंच प्रण प्रतिज्ञा, वसुधा वंदन, वीरों का वंदन पहल के माध्यम से हमारे बहादुरों के वीरतापूर्ण बलिदानों का सम्मान किया गया। मेरी माटी मेरा देश अभियान का पहला चरण व्यापक पहुंच और बड़ी संख्या में जनभागीदारी के साथ अभूतपूर्व रूप से सफल साबित हुआ है। अब तक 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 2.33 लाख से अधिक शिलाफलकम बनाए जा चुके हैं। अब तक लगभग 4 करोड़ पंच प्रण प्रतिज्ञा वाली सेल्फी वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी हैं। देश भर में वीरों के लिए 2 लाख से अधिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। वसुधा वंदन थीम के तहत, 2.36 करोड़ से अधिक स्वदेशी पौधे लगाए गए हैं और 2.63 लाख अमृत वाटिकाएं बनाई गई हैं। अब यह अभियान देश भर में अमृत कलश यात्राओं की योजना के साथ अपने दूसरे चरण में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य की राजधानी से औपचारिक तौर पर विदा किए जाने के बाद ये कलश राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए दिल्ली पहुंचेंगे। उम्मीद है कि अंतिम कार्यक्रम के लिए अक्टूबर के अंत तक 8500 से अधिक कलश दिल्ली पहुंचेंगे।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने एक को स्मैक के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डालनवाला कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान डीएल रोड मस्जिद वाली गली के पास एक बिना नम्बर की एक्टिवा सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल पुत्र ओमप्रकाश निवासी अम्बेडकर कालोनी बताया।

ब्लाइंड मर्डर व लूट के चार आरोपी...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मिलकर इस लूट की वारदात को अंजाम देने का प्लान बनाया था। पड़ताल के दौरान पुलिस को मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने 3500 से अधिक ई-रिक्शा को चैक कर वारदात का खुलासा करते हुए हत्या/लूट में शामिल मुख्य आरोपी सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर श्रीयंत्र पुल के नजदीक से घटना में प्रयुक्त पाठल, मृतक के खून से सने आरोपियों के कपड़े व लूट के दौरान मृतक के कुर्ते से निकाले गए 7000 रुपए भी बरामद किए गए। प्रकरण में शामिल 2 अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं जिनकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार हत्यारोपियों के नाम भानु प्रताप पुत्र कटार सिंह निवासी हस्तिनापुर मेरठ हाल निवासी मायाविहार जगजीतपुर कनखल, अभिजीत उर्फ सुक पुत्र मनमोहन सिंह निवासी आर्यनगर ज्वालापुर हरिद्वार, संदीप कुमार पुत्र जवाहर सिंह निवासी पण्डितपुरी रायसी लक्सर व मनीष गिरी पुत्र जनेश्वर निवासी बैराज कालोनी मायापुर कोतवाली हरिद्वार बताये जा रहे है।

राज्य में ढाई वर्ष से कम समय में 3854 महिलायें...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उत्तरकाशी जिले में 34, 23 तथा 15, देहरादून जिले में वर्ष 2021 में 364, वर्ष 2022 में 430 तथा 2023 में मई तक 163 महिलायें, हरिद्वार जिले में क्रमशः 339, 314 तथा 169, चमोली में 31, 26 तथा 14, चम्पावत जिले में 23, 48 तथा 25, रूद्रप्रयाग जिले में 14, 15 तथा 10 तथा रेलवे क्षेत्र (जी.आर.पी. अन्तर्गत) में वर्ष 2021 में 3, 2022 में 1 तथा 2023 में मई तक शून्य गुमशुदा महिला दर्ज हुई है।

गुमशुदा बालिकाओं के जिलावार विवरण के अनुसार नैनीताल जिले में 2021 में 74, वर्ष 2022 में 63, वर्ष 2023 में मई तक 17 बालिकायें गुमशुदा दर्ज हुई हैं जबकि जिला उधमसिंह नगर में क्रमशः 133, 146 तथा 49, पिथौरागढ़ में 17, 22 तथा 15, अल्मोड़ा जिले में 10, 13 तथा 9, टिहरी जिले में 23, 18 तथा 12, बागेश्वर जिले में 8, 8 तथा 2, पौड़ी जिले में 5, 8 तथा 7, उत्तरकाशी जिले में 5, 3, तथा 2, देहरादून जिले में वर्ष 2021 में 30 बालिकायें, 2022 में 9 तथा 2023 में मई तक 80 बालिकायें गुमशुदा दर्ज हुई है। हरिद्वार जिले में क्रमशः 81, 103 तथा 95, चमोली जिले में 8, 9 तथा 5, चम्पावत जिले में 9, 17 तथा 8, रूद्रप्रयाग जिले में 1, 6 तथा 3, रेलवे क्षेत्र (जी.आर.पी.) में इस अवधि में केवल 2023 में मई तक 1 बालिका गुमशुदा दर्ज हुई है।

जनसहभागिता के लिए प्रत्येक शनिवार लगेगी चौपालः अजय सिंह

संवाददाता

देहरादून। नवनियुक्त एसएसपी अजय सिंह ने कहा कि जनसहभागिता के लिए प्रत्येक शनिवार को शहर में चौपाल लगायी जायेगी जिसमें जनता की समस्याओं को सुन उसका निराकरण किया जायेगा।

आज यहां पदभार ग्रहण करने के पश्चात पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी अजय सिंह ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता शहर में होने वाले अतिक्रमण व यातायात रहेंगे जिसके लिए वह रूपरेखा तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों को गम्भीरता से लेते हुए उसपर तत्काल कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के लिए शहर में प्रत्येक शनिवार को चौपाल लगायी जायेगी जहां पर लोगों की समस्याएं सुनकर उनका तत्काल निस्तारण किये जाने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शहर में नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जायेगा तथा जो कोई भी पुलिस को इसके बारे में जानकारी देगा उसका नाम गुप्त रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि नशा तस्करी में जो लोग बार-बार पकडे जायेंगे उनकी सम्पत्ति कुर्क की जायेगी। जमीनी फर्जीवाडे के मामले में उन्होंने कहा कि सम्पत्ति के फर्जीवाडा करने वालों पर भी शिकंजा कसा जायेगा। थाने चौकिंयों में लोगों की सुनवायी नहीं होती ऐसे सवालों के जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि एसएसपी कार्यालय में एक रजिस्टर तैयार किया जायेगा जिसमें जो भी पीडित यहां पर आयेगा तो उससे उसका थाना पूछा जायेगा और वह थाने पर गया था तो उसके साथ क्या व्यवहार किया गया इसके बारे में पूछकर रजिस्टर में लिखा जायेगा और प्रत्येक माह उस रजिस्टर की समीक्षा की जायेगी और जिस थाना चौकी की अधिक शिकायत होगी उसपर कार्यवाही की जायेगी। यातायात पर उन्होंने कहा कि यह जनता से जुडी समस्या है इसपर भी कार्ययोजना बनायी जायेगी। क्योंकि यातायात में सबसे ज्यादा छात्र व अभिभावकों को दो चार होना पडता है। इसपर भी ध्यान दिया जायेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जहां पर विकास होता है वहां समस्याएं तो आती ही हैं।

शराब तस्करी में दो गिरफ्तार, नौ पेटी अंग्रेजी शराब बरामद

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। शराब तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने 9 पेटी अंग्रेजी शराब व तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ शराब तस्कर अवैध शराब की खेप सहित आने वाले है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को थरकोट वाली रोड में फगाली गांव के पास एक संदिग्ध पिकअप वाहन आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वाहन चालक सहित दो लोग भागने का प्रयास करने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। वाहन की तलाशी के दौरान पुलिस ने उसमें रखी नौ पेटिंया अंग्रेजी शराब बरामद की। पूछताछ में उन्होने अपना नाम सूरज जोशी पुत्र कैलाश चन्द्र जोशी निवासी धारी धमौड़ कोतवाली पिथौरागढ़ व सतीश चन्द्र जोशी उर्फ सूरज पुत्र पूरन चन्द्र जोशी निवासी फगाली पिथौरागढ बताया।

पुलिस ने उन्हे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

पीएम व सीएम के जन्मदिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर बैठक

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्मदिवस पर आयोजित कार्यक्रमों को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने बैठक कर रूपरेखा तैयार की।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने न्यू कैंट रोड स्थित कैंप कार्यालय में मसूरी विधान सभा क्षेत्र के भाजपा के श्रीदेव सुमन नगर मंडल और शहीद दुर्गामल्ल मंडल के पार्टी पदाधिकारियों के साथ आगामी 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अंतर्गत सेवा पखवाड़ा के तहत आयोजित वाले कार्यक्रमों को लेकर बैठक की। कैबिनेट मंत्री ने पार्टी पदाधि कारियों को पीएम मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को सेवा सप्ताह के रूप में मानने को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं को सफल क्रियान्वयन और सुनियोजित ढंग से करने का आव्हान किया। ज्ञात हो कि भारतीय जनता पार्टी ने पूरे देश भर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा सप्ताह के रूप में मनाने का फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम किए जाएंगे। सेवा सप्ताह के तहत रक्तदान शिविर, स्वच्छता शिविर, दिव्यांगजनों को उपकरण प्रदान सहित कई में सेवा कार्य जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मंत्री जोशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा सप्ताह के रूप में मनाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में इस सेवा सप्ताह कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने कहा कल यानी 16 सितम्बर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जन्म दिवस के उपलक्ष में मुख्यमंत्री आवास में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से आवास की चाबी सौंपी जाएगी। इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को जन्म दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष ज्योति कोटिया, महानगर महामंत्री सुरेंद्र राणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष पूनम नौटियाल, निरंजन डोभाल, पार्षद भूपेंद्र कठेत, प्रभा शाह, संजय नौटियाल, कमल थापा, मंजीत रावत सहित कई लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

नूंह में धारा 144 लागू, इंटरनेट सेवाएं 16 सितंबर तक बंद

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह में बीते 31 जुलाई को दो समुदायों के बीच हुई सांप्रदायिक हिंसा को कथितौर पर भड़काने के आरोप में पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने कांग्रेस विधायक मम्मन खान गिरफ्तार किया है। कांग्रेस विधायक खान पर आरोप है कि उन्होंने नूंह में ब्रजमंडल यात्रा के दौरान हुई हिंसा के लिए समुदाय विशेष के लोगों को उकसाने का काम किया है। हरियाणा के नूंह जिले में 31 जुलाई को हुई हिंसा के संबंध में कांग्रेस विधायक मम्मन खान की गिरफ्तारी के कुछ घंटों बाद राज्य सरकार ने दो दिन के लिए मोबाइल इंटरनेट और बड़ी संख्या में एसएमएस भेजने की सेवा को निलंबित करने का शुक्रवार को आदेश दिया। नूंह के डीसी धीरेंद्र खड़गता ने कहा कि अप्रिय घटना ना हो इसलिए हमने धारा 144 लागू की है। हमने इंटरनेट भी बंद करने के आदेश दिए हैं। हमने लोगों से अपील की है कि वे जुमा की नमाज घर में करें। जैसे स्थिति सामान्य होगी हम सामान्य स्थिति की ओर आने लगेंगे। एडीजीपी ममता सिंह ने कहा कि नूंह जिला अदालत के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई, जहां मम्मन खान को आज पेश किया जाएगा। जिले में चप्पे चप्पे पर भारी पुलिस बल की तनाती कर दी गई है। खान इंजीनियर को राजस्थान के अजमेर से गिरफ्तार किया गया था।

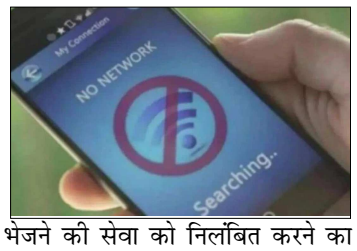

निर्माणाधीन बिल्डिंग की लिफ्ट गिरने से चार लोगों की मौत

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां निर्माणाधीन बिल्डिंग की लिफ्ट गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि निर्माणाधीन बिल्डिंग आम्रपाली ग्रुप की है, इसे एनबीसीसी ने टेकओवर कर लिया था। हादसे के बाद प्रशासन ने बिल्डिंग की सील करने की तैयारी शुरू कर दी है। बड़ी संख्या में पुलिसबल मौके पर पहुंच गया है और निर्माणाधीन प्रोजेक्ट को खाली कराया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र में आम्रपाली ड्रीम वैली हाउसिंग सोसायटी में अचानक निर्माणाधीन बिल्डिंग की लिफ्ट गिर गई। लिफ्ट में 9 लोग सवार थे। इनमें से चार लोगों की मौत हो गई। जबकि 5 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। प्रशासन का कहना है कि लापरवाही को लेकर बिल्डिर पर कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद पूरा प्रोजेक्ट खाली कराया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने इमारतों को खाली करने का अनाउंसमेंट किया है। प्रोजेक्ट को खाली करने के लिए 2 घंटे का समय दिया गया है। इसके बाद सीलिंग की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

लैंडिंग के दौरान एयरपोर्ट के रनवे पर फिसला चार्टर्ड प्लेन

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट से प्लेन हादसे की एक बड़ी खबर सामने आई है। एयरपोर्ट पर गुरुवार की शाम को एक प्राइवेट चार्टर्ड प्लेन लैंड कर रहा था, लेकिन वह रनवे से फिसल गया। लैंडिंग के दौरान चार्टर्ड प्लेन में 6 यात्री और 2 क्रू सदस्य सवार थे। बताया जा रहा है कि भारी बारिश की वजह से यह हादसा हुआ है। इस प्लेन दुर्घटना में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसे लेकर एक वीडियो भी सामने आया है। डीजीसीए ने कहा कि विशाखापत्तनम से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाला वीएसआर वेंचर्स लियरजेट 45 विमान वीटी-डीबीएल मुंबई हवाई अड्डे के रनवे 27 पर उतरते समय अचनाक से फिसल गया। इसके बाद देखते ही देखते विमान के दो टुकड़े हो गए। जब चार्टर्ड प्लेन हादसाग्रस्त हुआ था उस समय विमान में 6 यात्री और 2 क्रू सदस्य सवार थे। भारी बारिश की वजह से दृश्यता काफी कम 700 मीटर ही थी। मुंबई एयरपोर्ट पर हुए प्लेन हादसे को लेकर एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में बारिश के बीच मुंबई एयरपोर्ट के रनवे के पास विमान का मलबा दिखाई दे रहा है। दुर्घटना के बाद प्लेन में आग लग गई थी। फायर ब्रिगेड की टीम ने आनन फानन में आग पर काबू पा लिया है। कनाडा स्थित बॉम्बार्डियर एविएशन के एक डिवीजन द्वारा लियरजेट 45 निर्मित 9 सीटों वाला सुपर-लाइट बिजनेस जेट है।

मामूली विवाद में दोस्त ने ही की थी दोस्त की हत्या, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। आर्यनगर चौक के पास मिले अज्ञात शव की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद किया है। गिरफ्तार हुआ आरोपी मृतक का दोस्त निकला जिसने मामूली विवाद के चलते इस हत्याकांड को अंजाम दिया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल ने बताया कि बीते 11 सितम्बर को ज्वालापुर थाना क्षेत्रान्तर्गत आर्य नगर चौक के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया था। प्रथम दृष्ट्या मृत्यु का कारण वाहन की चपेट में आना प्रतीत हो रहा था। पुलिस द्वारा शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई व शव को जिला अस्पताल स्थित शवग्रह में रखवाया गया। लगातार प्रयास के पश्चात शव की पहचान जयदेव निवासी बंगाल के रूप में हुई जो काफी समय से ज्वालापुर क्षेत्र में रहकर मजदूरी का कार्य कर रहा था।

❑लावारिस शव की शिनाख्त कर हत्यारे तक पहुंची पुलिस

मामले में बीते रोज राजेश खंडूजा पुत्र आरडी खंडूजा निवासी आर्य नगर चौक ज्वालापुर की शिकायत पर कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। दर्ज मुकदमें में हत्या की संभावना को परखते हुए रेल चौकी प्रभारी विकास रावत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करते हुए संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई। विवेचना के क्रम में संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी मिलने पर पुलिस ने एक व्यक्ति को रेलवे स्टेशन ज्वालापुर से दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहन पुत्र शिवजी बैठा निवासी भवानीपुर थाना संग्रामपुर मोतिहारी जिला बिहार बताया। बताया कि वह मृतक के साथ काफी वर्षों से मजदूरी कर रहा था। साथ में नशा करने के दौरान किसी बात को लेकर विवाद होने पर उसने भारी पत्थर से सिर कुचलकर अपने साथी की हत्या कर दी और गिरफ्तारी के डर से जिले से बाहर भागने की जुगत में रेलवे स्टेशन पहुंच गया। पुलिस ने आरोपी की निशांदेही पर हत्या में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

तेज गति कार ने लोडर व राहगीर को टक्कर मारकर घायल किया

संवाददाता

देहरादून। तेज गति कार ने लोडर व राहगीर को टक्कर मारकर घायल कर दिया। कार चालक घायल को अपने वाहन में डालकर अस्पताल ले गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह पांच बजे एक कार संख्या यूके 08 एक क्यू 8735 का चालक तेज गति से कार को चलाते हुए बल्लीवाला चौक पर एक लोडर टैम्पों को टक्कर मार दी जिससे टैम्पो पलटते-पलटते बचा इसी दौरान कार चालक ने एक राहगीर को भी अपना निशाना बनाते हुए उसको भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे राहगीर गम्भीर रूप से घायल होकर वहीं पर गिर गया। जिसको कार चालक ने अपने वाहन में डालकर अस्पताल पहुंचाया। बसंत विहार थाना प्रभारी महादेव उनियाल फोन पर सम्पर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि दुर्घटना तो हुई है लेकिन वाहन चालक घायल को कौन से अस्पताल में ले गया इसका अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस को अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि कौन घायल हुआ और वह कहां पर भर्ती है।

मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवेक विहार निवास पंकज ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से जाखन स्थित पेट्रोल पम्प के पास गया था तथा उसने पास के लिए बस स्टैण्ड के पास अपनी मोटरसाईकिल खडी कर दी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

नेपाली यात्रियों से भरी बस नदी में फंसी, रेस्क्यू कर बाहर निकाला

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भारी बारिश के बीच श्यामपुर क्षेत्र में चिड़ियापुर चेक पोस्ट के पास एक बस नदी में फंस गई। चारों तरफ पानी ही पानी नजर आने से यात्रियों की सांस अटक गई और उन्हें साक्षात मौत नजर आने लगी। इस दौरान बस से उतरकर छह यात्री अपनी जान बचाने के लिए पुल के पिलर पर चढ़ गए। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर सभी यात्रियों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जिस पर इन यात्रियों व स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस व एसडीआरएफ टीम की सराहना की गयी है।

बताया जा रहा है कि नेपालगंज रुपेड़िया से हरिद्वार आ रही बस में 53 लोग सवार थे, जो नेपाल मूल के निवासी हैं। अचानक मार्ग पर बरसाती नदी में पानी ज्यादा आ जाने के कारण बस मय सवारियों के बीच नदी में ही फंस गयी। सूचना मिलने पर श्यामपुर थानाध्यक्ष विनोद थपलियाल टीम सहित मौके पर पहुंचे और आला अधिकारियों को सूचना दी। सिटी कण्ट्रोल रूम की सूचना पर एसडीआरएफ एडिशनल उप निरीक्षक परविंदर धस्माना के हमराह मय रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और एक एक कर बस में सवार लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पहुंचाया गया। बस में सवार 6 लोग अत्यंत भयभीत होने के कारण बस से बाहर निकलकर पुल के नीचे , पिलरो पर चढ़े गये थे। एसडीआरएफ की टीम ने इन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सभी सवारियों को समय रहते रेस्क्यू कर दिया गया है और बस को निकालने का कार्य किया जा रहा है।

एसडीआरएफ के सेनानायक मणिकांत मिश्रा ने बताया कि टीम ने सभी यात्रियों को सकुशल निकाल लिया है। नदी में फंसी बस को भी जेसीबी की मदद से निकाला जा रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।